



# गजपति कुलपति

अशोक राजगोपालन

गजपति कुलपति एक बड़ा हाथी था। गजपति कुलपति एक भला हाथी था। एक रात बारिश हुई और गजपति कुलपति भीग गया। गजपति कुलपति को जुकाम हो गया। छोटी नाकों को छोटे जुकाम होते हैं। बड़ी नाकों को बड़े जुकाम होते हैं। गजपति कुलपति की नाक बड़ी थी इसलिए उसे बड़ा जुकाम हुआ।

जब केलेवाले ने गजपति कुलपति से पूछा, केले खाओगे? गजपति कुलपति ने मुँह खोला और बोला, “आss . . . . .” “आssssssssssछूssss!”

हूssssssssssश्श! केलेवाले के हाथ से केले ही उड़ गए। पचाssssssssssक्! वे जा गिरे डाकिए के सिर पर। ढमाssssssssssल्! डाकिया जा गिरा गाय पर। म्म्म्म्बाssssssss! गाय रंभाई और हवा में दुम हिलाते भागने लगी। गजपति कुलपति बहुत उदास हो गया। गजपति कुलपति अपने दोस्तों को दुखी नहीं देख सकता था। गजपति कुलपति ने माफ़ी माँगने के लिए मुँह खोला। “आssssss . . . . . छूssss!”

केलेवाला जितनी तेज़ भाग सकता था भागा। डाकिया जितनी तेज़ भाग सकता था भागा। गाय जितनी तेज़ भाग सकती थी भागी। गजपति कुलपति बहुत उदास हो गया। गजपति कुलपति अपने दोस्तों को तकलीफ़ नहीं देना चाहता था। सो, गजपति कुलपति एक दीवार के पीछे छुप गया। और सारा दिन वहीं रहा।

Story and Artwork:





गाँव में अब सभी को गजपति कुलपति के जुकाम के बारे में पता चल चुका था। “गजपति कुलपति को जुकाम है,” केलेवाले ने दूधवाले से कहा। “गजपति कुलपति को जुकाम है,” दूधवाले ने दर्जी से कहा। “गजपति कुलपति को जुकाम है,” दर्जी ने फूलवाली से कहा। “गजपति कुलपति को जुकाम है,” फूलवाली ने डाकिए से कहा। “मुझे पता है गजपति कुलपति को जुकाम है!” डाकिया चिल्लाया। उस रात एक जोरदार आवाज़ ने सब को जगा दिया। क्या वह कुत्ता था? आवाज़ और ऊँची हुई . . . क्या वह शेर था? और ऊँची . . . क्या वह बादलों की गड़गड़ाहट थी? और ऊँची . . . क्या आसमान नीचे गिर रहा था? “आssssssssss..... छँssss!” इतनी धमाकेदार छींक तो पहले किसी ने भी नहीं सुनी थी। यह तो गजपति कुलपति था! सब सिर हिलाते हुए वापस सोने चले गए।

उस छींक के साथ गजपति कुलपति का जुकाम गायब। अगली सुबह वह खुश-खुश निकला। सबने उसकी पीठ थपथपाई। तभी एक समझदार बूढ़ी अम्मा ने कहा, “चलो इसके लिए एक घर बनाते हैं ताकि यह दुबारा बारिश में भीगे ना।” बस, तब केलेवाले ने, दूधवाले ने, दर्जी ने, फूलवाली ने, डाकिए ने और बूढ़ी अम्मा ने गजपति कुलपति के लिए एक घर बनाया। अब गजपति कुलपति दुनिया का सबसे खुश हाथी था।

उस दिन से लोगों ने सुना “आssssssssssssss” और “आssssssssssssss” और “आssssssssssssss” और “आssssssssssssss” पर यह कभी नहीं सुना . . . “आssssssssssssss!”

समाप्त

Click below to follow us:



You Tube

facebook

